वाणिज्य में स्नातक (जनरल)
बी. कॉम (जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -131: वित्तीय लेखाकरण

सत्रीय कार्य
2026–27

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2026 से 30th जून 2027

प्रथम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

वाणिज्य में स्नातक जनरल (बी. कॉम. जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -131: वित्तीय लेखाकरण

सत्रीय कार्य 2026–27

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है। तीनों खंड अनिवार्य हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसम्बर 2026 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2026 तक जमा करवायें।
2. वे छात्र जो जून 2027 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2027 तक जमा करवाना होगा।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. सी. -131**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**वित्तीय लेखाकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ.सी.-131/टी. एम. ए./2026-27**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

1. लेखाकरण के लाभों एवं सीमाओं की व्याख्या कीजिए। (10)

2. मुख्य जर्नल (Journal Proper) क्या है? मुख्य जर्नल में लिखे जाने वाले लेन-देन की सूची बनाइए। (10)

3. ह्रासित शेष विधि (Written Down Value Method) के गुण एवं दोष क्या हैं? इसकी तुलना नियत किश्त विधि (Straight Line Method) से कीजिए। (10)

4. अवक्रय अधिनियम, 1972 के अंतर्गत चूक होने की स्थिति में अवक्रय विक्रेता के क्या-क्या अधिकार हैं? तथा माल का अधिग्रहण तथा पुनग्रहण होने की स्थिति में अवक्रेता के अधिकार क्या है| (10)

5. संयुक्त उपक्रम (Joint Venture) के लेखों का रिकॉर्ड करने के लिए पृथक लेखा पुस्तकों की विधि (Separate Set of Books Method) की चर्चा कीजिए। (10)

खण्ड – ख (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक के हैं)

6. भारत में लेखांकन मानकों को निर्गमित करने की कार्यविधि का वर्णन कीजिए| **(6)**

7. जर्नल प्रविष्टियों की लेज़र में खतौनी करने के नियमों की व्याख्या कीजिए। **(6)**

8. अंतिम खाते (Final Accounts) तैयार करते समय कुछ समायोजन (Adjustments) क्यों आवश्यक हो जाते हैं? समायोजन की किन्ही दो मदों के नाम बताइए तथा स्पष्ट कीजिए कि उन्हें अंतिम खातों में किस प्रकार दिखाया जाता है। **(6)**

9. आश्रित ब्रांच के लेखे रखने की तीन प्रणालियो के नाम बताइये और यह भी बताइये कि प्रत्येक प्रणाली के अंतर्गत लाभ कैसे ज्ञात किया जाता है। **(6)**

10. उन मदों के नाम बताइए जिनका लेखा प्रेषण खाते में बीजक मूल्य पर किया जाता है। प्रत्येक मद के सम्बन्ध में भार के समायोजन के लिए की जाने वाली प्रविष्टियों का उल्लेख कीजिए। **(6)**

खण्ड – ग (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

11. वाउचर (Voucher) की परिभाषा दीजिए तथा विभिन्न प्रकार के वाउचरों की चर्चा कीजिए। (10)

12. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **(2x5 =10)**

(क) अनुदारवादिता (Conservatism)

(ख) लोप अशुद्धियाँ (Errors of Omission)

(ग) क्रय रजिस्टर (Purchase Register)

(घ) कम्प्यूटराइज़्ड लेखांकन सिस्टम (Computerised Accounting System)

(ङ) समूह (Group in Tally)